

नार्थ वेस्ट जोन राजस्थान

संरचना के लिए जाना जाता है। यह एक अत्यंत प्रतिष्ठित एवं उत्कृष्ट संस्थान के रूप में उभर कर सामने आया है, जो शिक्षा एवं चरित्र निर्माण के माध्यम से महिलाओं का सशक्तीकरण कर रहा है। या यूं कहें कि सच्चे अर्थों में राष्ट्र के भावी महिला नायकों का निर्माण करने में अत्यंत गौरवान्वित अनुभव करता है। मोदी विश्वविद्यालय में 6 अलग-अलग कॉलेज (महाविद्यालय) हैं। जिनमें कला विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, स्थापत्य कला एवं रचना महाविद्यालय, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, फैशन डिजाइन एवं मर्चेंडाइजिंग महाविद्यालय, विधि एवं सुशासन महाविद्यालय, व्यापार प्रबंधन, अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य महाविद्यालय शामिल हैं।

मोदी विश्वविद्यालय विभिन्न नियामक समूहों जैसे एआईसीटीई, एनबीए, बीसीए, सीओए द्वारा मान्यता प्राप्त एक अशासकीय राज्य विश्वविद्यालय है। मोदी विश्वविद्यालय की विश्व के अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग एवं मान्यताएं हैं। 12:1 का विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात भारत के निजी/अशासकीय विश्वविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ है। इसके पास शत-प्रतिशत विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था है एवं संपूर्ण विश्वविद्यालय परिसर वाई-फाई कनेक्टिविटी से जुड़ा हुआ है। विश्वविद्यालय के पास अत्याधुनिक कक्षाएं, 48 उच्च तकनीकी प्रयोगशालाएं, 70,000 पुस्तकों से ज्यादा की क्षमता वाले पुस्तकालय, सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास, पौष्टिक एवं शाकाहारी भोजन की सुविधाओं से परिपूर्ण भव्य भोजनालय, आहार-गृह विद्यमान हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में ओलंपिक स्तर के खेलों जैसे टेनिस, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल, अश्वारोहण एवं हॉकी की सुविधाएं भी विद्यमान हैं। विश्वविद्यालय परिसर में एक सुव्यवस्थित उद्यान के मध्य स्थित मंदिर (तपोवन) प्रांगण में योग एवं प्राणायाम के लिए अलग से एक हॉल या महाकक्ष की सुविधा भी विद्यमान है। विश्वविद्यालय एक प्रदूषण विहीन, संपोषणीय एवं हरित परिसर प्रदान करने में गर्व का अनुभव करता है।

इस प्रदेश में एक और संस्थागन है जो एजुकेशन के एरिया में काफी चर्चित है। जयपुर की **जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी** में बहुआयामी शिक्षा के साथ इंडस्ट्री रेडी प्रोफेशनल तैयार किए जा रहे हैं। यहां का

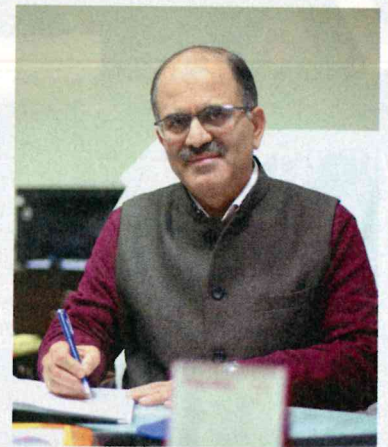


एसडी गुप्ता

प्रेसिडेंट

आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी

‘देश के अस्पतालों और स्वास्थ्य क्षेत्र में युवा पेशेवर प्रबंधकों की एक फौज तैयार करने और स्वास्थ्य प्रबंधन में व्यापक बदलाव लाने का हमें गर्व है।’



डॉ. आर.एल. रैना

कुलपति

जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी

‘अपनी स्थापना के महज चार साल के अंदर ही जेकेएलयू ने प्रबंधन और इंजीनियरिंग की शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है और उसे इस प्रकार मान्यता मिली है कि न सिर्फ राजस्थान बल्कि पड़ोस के राज्यों के छात्र भी उच्च शिक्षा के लिए इसे पसंद कर रहे हैं।’

इंटरनशिप प्रोग्राम अन्य संस्थानों से काफी बेहतर है। जो फाइनल प्लेसमेंट में काफी फायदेमंद होता है। पढ़ाई के दौरान दो इंटरनशिप प्रोग्राम छात्रों में एक नया विश्वास पैदा कर देते हैं। बीटेक के छात्र को यहां चौथे सेमेस्टर के बाद मई और जून में 30 से 45 दिन की इंटरनशिप या ट्रेनिंग दी जाती है। इसके बाद फाइनल सेमेस्टर में पांच से छह माह का इंटरनशिप कराया जाता है। यह काफी महत्वपूर्ण होता है। प्रेक्टिस वन और प्रेक्टिस टू के नाम से दी गई इस ट्रेनिंग में छात्रों को उद्योग जगत की जरूरतों से वाकफ कराया जाता है। ताकि वह नौकरी मिलने के बाद तुरंत अपनी प्रभावी सेवा कंपनी को देने में सक्षम हो जाएं। कॉर्पोरेट वर्ल्ड्स की बारीकियां जानकर छात्रों में नए तरीके से काम करने की क्षमता का विकास होता है। इस तरह की इंटरनशिप से कंपनियां भी बढ़िया प्लेसमेंट देती हैं। शिक्षा के नए आयाम दुनिया को बदल रहे हैं। आज हार्ड नहीं बल्कि स्मार्ट आदमी की जरूरत है। यह यूनिवर्सिटी इसी तर्ज पर नए पाठ्यक्रम के जरिये छात्रों को शैक्षिक रूप से स्मार्ट बनाती है। वर्कशाप में विभिन्न तकनीक और प्रणाली पर इतनी जानकारी दी जाती है कि छात्र कंपनी के किसी भी प्लेसमेंट के लिए बड़े विश्वास के साथ तैयार रहता है। हेवलेट पकार्ड, केपजेमिनी आई गेट, एओन हेवित, जनरल इलेक्ट्रिकल्स जीई, अमेजन, टेरा मैट्रिक्स, जेके टायर, याडली, जेके लक्ष्मी सीमेंट सहित अन्य कंपनियां यहां बेहतर प्लेसमेंट देती हैं।